A–0306

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DMA 102

DIPLOMA IN MEDICAL ASTROLOGY (DMA)

ज्योतिष शास्त्र में रोग ज्ञान के आधार

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×26=52

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रोगविचार की परम्परा पर विस्तृत आलेख लिखिए।

2. आयुपरीक्षण की विधियों पर प्रकाश डालते हुए आयु के प्रकारों पर संक्षिप्त चर्चा कीजिए।

3. ग्रहों के द्वारा किस प्रकार रोगों के योग निर्मित होते हैं? विस्तृत विवेचना कीजिए।

4. जन्माङ्गचक्र के आधार पर रोगपरिज्ञान किस प्रकार किया जाता है ? समीक्षा कीजिए।

5. सूर्यादि ग्रहों के द्वारा होने वाले रोगों पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×12=48

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. किन्हीं चार अरिष्टयोगों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

2. दीर्घायुयोगों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

3. अल्पायुयोग किस प्रकार बनते हैं ? किन्हीं चार अल्पायुयोगों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

4. ज्योतिषीय दृष्टिकोण से रोगोत्पत्ति का काल किस प्रकार निर्धारित किया जा सकता है ? संक्षिप्त में विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

5. शकुनों के द्वारा किस प्रकार रोगविचार सम्भव है ? सोदाहरण चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

6. दिक्, देश और काल के सापेक्ष किस प्रकार रोग का परिज्ञान करना चाहिए ? विवेचना कीजिए।

7. मृत्यु के प्रकारों पर चर्चा करते हुए उसके कालनिर्णय पर ज्योतिषीय दृष्टिकोण प्रस्तुत कीजिए।

8. रोगनिर्धारण के प्रमुख ज्योतिषीय तत्त्वों पर लघु समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

****